ब्रिटेन के विवि से सीआइएमपी करेगा स्टूडेंट एक्सचेंज

पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) ने मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन में संयुक्त रूप से जेंडर कैपिटल और स्टार्टअप पर कार्यशाला आयोजित की। इसमें सीआइएमपी नॉलेज पार्टनर रहा। सीआइएमपी के फैकल्टी सदस्य प्रो. राजीव वर्मा ने इसमें बिहार स्टार्टअप पॉलिसी 2017 में समावेशन पर प्रस्तुति दी। (जासं)

Dainik Jagran !
Page.NO-06 !
Dated:21-06-2018

मैनचेस्टर में बिहार स्टार्ट अप नीति की चर्चा

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) ने ब्रिटेन के मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी (एमएमयू) के साथ पिछले दिनों मैनचेस्टर में ही कार्यशाला का आयोजन किया। इसका विषय जेंडर कैपिटल और स्टार्ट अप्स था। इसमें सीआईएमपी के फैकल्टी मेंबर प्रो. राजीव वर्मा ने 'बिहार स्टार्ट अप नीति 2017 में लिंग समावेशन' विषय पर एक प्रस्तुति दी। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान इस कार्यशाला का नॉलेज पार्टनर था। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंदा दास ने बताया कि इसके पहले एक कार्यशाला सीआईएमपी ने ही आयोजित की थी।

निदेशक ने बताया कि विदेशी विश्वविद्यालयों के सहयोग की तलाश की जा रही। इस प्रक्रिया में सीआईएमपी ने ब्रिटेन के तीन विश्वविद्यालयों के साथ विद्यार्थी आदान-प्रदान का निर्णय लिया है। सीआईएमपी पहले ही मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी (एमएमयू) के साथ रिसर्च पार्टनर है। वर्तमान में सीआईएमपी 'स्टडी ऑफ जेंडर कैपिटल इन बिहार स्टार्टअप इकोसिस्टम' पर संयुक्त अनुसंधान परियोजना पर काम कर रहा है। निदेशक ने बताया कि शोध बिहार में सामाजिक परिवर्तन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

Hindustan (Hindi)
Page.No-25
Dated:21-06-2018

CIMP to collaborate with foreign universities

OUR CORRESPONDENT

PATNA: In order to start the process Researchers and Faculty members with Foreign Universities, CIMP has initiated the process of identifying foreign university collaborators. In this process, CIMP is to finalise International Exchange of Students with three universities from Manchester, UK.

CIMP is already a research partner to the Manchester Metropolitan University (MMU). The letter of collaboration by MMU has been issued in the month of March, 2018. Since then two joint workshops have been hosted at CIMP, India and MMU, UK respectively. CIMP is currently working on a joint research project on, 'Study of Gender Capital in Bihar Startup Ecosystem'.

CIMP will soon finalise collaboration with Salford Business School, University of Salford, UK for exchange of students, researchers and faculty members.

The prestigious B-School is currently having its collaboration in India only with IIM Bangalore. The delegates from Salford B-school will visit India in the month of August 2018 and procedural formalities will be taken care of thereafter.

University of Manchester, UK is a leading research driven university which is the ranked one of the top, globally. The University has invited CIMP for research collaboration. CIMP is the second management research institute in India that has been invited by Center of South Asian Studies, University of Manchester to participate in the bid process. CIMP is the youngest Business School in India to get collaboration. Prof. V. Mukunda Das, Director, said, "CIMP initiated the steps towards these three mega collaborations in research and CIMP will rise to international levels in research through collaboration with these three research collaborations".

He said, "We are the youngest business school in the country which is fully supported by the State Government, in India". These research collaborations will be in areas such as Business Management, Entrepreneurship and Startups.

The research initiatives will also focus on social change in Bihar and how it has been facilitated by policies and perspectives of the Government, during the last decade. The collaborative research will also focus on the future of Bihar in the next 10 years through policy modulation and strategic orientation.

MORNING INDIA , Page. No -03 , Date ;-21-06-2018

स्टूडेंट्स एक्सचेंज करेगा सीआईएमपी

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शोधकर्ताओं के लिए संस्थान ने शुरू की विदेशी सहयोगियों की पहचान

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) के निदेशक प्रो. वी मुकुंद दास ने बताया कि 14 जून 2018 को मैनचेस्टर मेट्रोपलिटन यूनिवर्सिटी, मैनचेस्टर, ब्रिटेन में जेंडर कैपिटल और स्टार्टअप्स पर संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें सीआईएमपी नॉलेज पार्टनर था। यह श्रृंखला की दूसरी कार्यशाला थी। पहली कार्यशाला दिसंबर 2017 में सीआईएमपी, पटना में आयोजित की गई थी। सीआईएमपी के फैकेल्टी, प्रो. राजीव वर्मा ने आयोजित कार्यशाला में बिहार स्टार्टअप पॉलिसी 2017 में जेंडर इन्क्लयूजन (लिंग समावेशन) की स्थिति पर एक प्रस्तुति दी।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सीआईएमपी ने विदेशी विश्वविद्यालय सहयोगियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रक्रिया में सीआईएमपी ने मैनचेस्टर, ब्रिटेन के तीन विश्वविद्यालयों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टूडेंट्स एक्सचेंज करने का निर्णय लिया है। सीआईएमपी पहले ही मैनचेस्टर मेट्रोपलिटन यूनिवर्सिटी (एमएमयू) के साथ रिसर्च पार्टनर है। एमएमयू द्वारा सहयोग का पत्र मार्च, 2018 के महीने में जारी किया गया है। सहभागिता का पत्र मार्च, 2018 में जारी हो चुका है। तब से सीआईएमपी, भारत और एमएमयू, यूके में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है।

वर्तमान में सीआईएमपी स्टडी ऑफ जेंडर कैपिटल इन बिहार स्टार्टअप इकोसिस्टम पर संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजना पर काम कर रही है। छात्रों व शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान के लिए सीआईएमपी जल्द ही सैलफोर्ड बिजनेस स्कूल, सैल्फोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के साथ सहयोग को अंतिम रूप देगा। वर्तमान में इस प्रतिष्ठत स्कूल का भारत में केवल आईआईएम, बंग्लोर के साथ सहभागिता है। सैलफोर्ड बी-स्कूल के प्रतिनिधि अगस्त 2018 के महीने में भारत आएंगे, उसके बाद ही बाकी की औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके का एक अग्रणी शोध संचालित विश्वविद्यालय है जो वैश्विक स्तर पर अग्रणी शोध संस्थानों में अपना स्थान रखता है। इस विश्वविद्यालय ने अनुसंधान सहयोग के लिए सीआईएमपी को आमंत्रित किया है। सीआईएमपी भारत में दूसरा प्रबंधन अनुसंधान संस्थान है जिसे बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र द्वारा आमंत्रित किया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. दास ने कहा कि

> **सीआईएमपी को बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र ने किया है आमंत्रित**

सीआईएमपी ने अनुसंधान के क्षेत्र में इन तीन बड़ी सहभागिता की तरफ कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि हम देश में सबसे कम उम्र के बिजनेस स्कूल हैं और हमें भारत व राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग प्राप्त है। यह शोध सहयोग बिजनेस मैनेजमेंट, उद्यमिता और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में होंगे जो बिहार में सामाजिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सहयोगात्मक अनुसंधान अगले दस वर्षो में नीति मोड्यूलेशन और रणनीतिक अभिविन्यास के माध्यम से बिहार के भविष्य पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

Rashtriyasahara , Page. No-07 , Date;- 21-06-2018